भाकृअप -राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

पूसा, नई दिल्ली -110012

फा.सं. राभा 1(1)/2022 -हिंदी

दिनांक: 15 नवंबर, 2022

कार्यवृत्त

विषय : भाकृअप- **राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक** संसाधन ब्यूरो की दिनांक 9 नवंबर, 2022 को संपन्न हुई **राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का कार्यवृत्त**

निदेशक, **राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो कि अध्यक्षता में दिनांक** 9 नवंबर, 2022 अपराह्न 3.00 **बजे डॉ एच बी एस समिति कक्ष,** एनबीपीजीआर, **पूसा नई दिल्ली में संस्थान की** राजभाषा **कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक का कार्यवृत्त सूचना, अनुपालन तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। अनुरोध है कि इस संबंध में अविलम्ब कार्रवाई करें तथा** संबंधित मामले में **हुई प्रगति से हिंदी अनुभाग को अवगत कराएं,** ताकि अध्यक्ष महोदय के **आदेशानुसार समिति की** अगली बैठक नियत समय पर बुलाई जा सके।

संलग्नक : उपर्युक्त वर्णित

भवदीय,

(आशुतोष कुमार)

उप निदेशक (राभा)

सदस्य सचिव, **राजभाषा कार्यान्वयन समिति**

वितरण :

1. **राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य**
2. **एनबीपीजीआर के समस्त प्रभारी अधिकारी** /अनुभाग
3. एनबीपीजीआर **के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी**
4. निदेशक (राभा) भाकृअप,कृषि भवन, नई दिल्ली
5. उप निदेशक (**कार्यान्वयन**), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दिल्ली-I), गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, **नई दिल्ली**
6. सदस्य सचिव (नराकास), पीवीएफ़आरए, पूसा परिसर, नई दिल्ली

भाकृअप- राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो की दिनांक 9 नवंबर, 2022 को संपन्न हुई राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का कार्यवृत्त

राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 9 नवंबर, 2022 को अपराह्न 3.00 बजे डॉ एच बी एस समिति कक्ष में निदेशक, एनबीपीजीआर डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें समिति के अध्यक्ष के साथ अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित समिति के सभी सदस्यों की सूची अनुबंध के रूप में संलग्न है।

बैठक में अध्यक्ष महोदय डॉ ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह जी का स्वागत किया गया। एनबीपीजीआर के निदेशक के रूप में पद भार ग्रहण करने के बाद राजभाषा कार्यान्वयन्न समिति की यह उनकी पहली बैठक थी। अध्यक्ष महोदय के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए राजभाषा के प्रति उनकी निष्ठा और संबंधित दायित्वों के शानदार निर्वहन की सराहना की गई। अध्यक्ष महोदय ने अपनी आरंभिक टिप्पणी के माध्यम से सरकारी कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की गंभीरता को महत्ता देते हुए फाइलों पर हिन्दी में कार्य करने के दायित्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान अध्यक्ष महोदय ने डॉ सुनील अर्चक, प्रभारी एकेएमयू की प्रशंसा करते हुए उनकी हिन्दी भाषा में अभिव्यक्ति और फाइलों पर हिन्दी में कार्य की सराहना करते हुए कहा कि एक हिंदीतर भाषी प्रदेश के होने के बावजूद उनके द्वारा हिन्दी भाषा में कार्य सभी हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए प्रेरणाप्रद हैं। उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यसूची पर विस्तार से चर्चा की गई तथा निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

I. स्थाई मदें

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 12.08.2022 को आयोजित पिछली बैठक के संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई थी अतः कार्यवृत की पुष्टि की गई।
2. पिछली बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों पर जिन प्रभाग /अनुभाग द्वारा कार्रवाई की जानी थी उनके द्वारा अपेक्षित अवधि के दौरान कार्रवाई की गई।
3. संस्थान के प्रभागों, इकाइयों एवं अनुभागों से प्राप्त तिमाही रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान पाया गया कि सभी अनुभागों/ प्रभागों द्वारा हिन्दी में किए जा रहे कार्य के अनुसार वास्तविक रिपोर्ट नहीं भरी जा रही तथा वास्तविक कार्य से कम प्रतिशत की रिपोर्ट प्राप्त हो रही है। अतः अध्यक्ष महोदय की सहमति से निर्णय लिया गया कि सभी अनुभागों के नियंत्रक अधिकारी कृपया रिपोर्ट की जांच करने के उपरांत ही रिपोर्ट की प्रति भेजें । साथ ही सभी अनुभाग/ प्रभाग से नियमित तिमाही रिपोर्ट भरने के संबंध में आयोजित की जाने वाली आगामी हिन्दी कार्यशाला के लिए न्यूनतम दो कार्मिकों को भाग लेने के लिए अनिवार्यतः नामित करें।

(कार्रवाई :सभी अनुभाग/ प्रभाग के प्रभारी)

4. संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्रों की राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई और यह पाया गया कि सभी क्षेत्रीय केन्द्रों से तिमाही रिपोर्ट एवं बैठक की रिपोर्ट नियमित रूप से एनबीपीजीआर मुख्यालय को प्राप्त नहीं हो रही है। अतः अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी क्षेत्रीय केन्द्रों को हिन्दी तिमाही रिपोर्ट राजभाषा विभाग को ऑनलाइन भेजने और उसकी प्रति मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए।

(कार्रवाई: सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी)

5. क्षेत्रीय केन्द्रों में राजभाषा के कारगर कार्यान्वयन के लिए अध्यक्ष महोदय की सहमति से यह निर्णय लिया गया कि सभी केन्द्रों को प्रत्येक राजभाषा के 'क, ख' और 'ग' क्षेत्र में उनके स्थित होने के अनुसार निदेशक, एनबीपीजीआर की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाए जो वर्ष में न्यूनतम एक बार निर्धारित योजना के तहत कार्यान्वयन के आवश्यक जांच बिन्दु के आधार पर मॉनिटरिंग करेगी।

(कार्रवाई :हिन्दी अनुभाग)

6. सभी प्रभाग/ अनुभाग प्रभारियों को राजभाषा विभाग द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित पत्राचार एवं टिप्पणी के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु **स्पीच टू टेक्स्ट** अथवा अन्य ऑनलाइन उपलब्ध आधुनिक तकनीकियों के माध्यम से अपने अनुभाग/ प्रभाग के हिन्दी में कार्यों की प्रतिशता में वृद्धि करने को कहा गया।

(कार्रवाई :सभी अनुभाग/ प्रभाग के प्रभारी)

7. तिमाही रिपोर्ट की समयानुसार प्राप्ति नहीं होने के कारण अध्यक्ष महोदय द्वारा यह निर्देश दिया गया कि सभी अनुभाग/ प्रभाग हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट को विधिवत रूप से भरने के दौरान यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा हिन्दी कार्य के समस्त संबंधित डाटा को शामिल किया गया हो। साथ ही निर्धारित समय से पूर्व रिपोर्ट भेजी जाए। किसी भी असुविधा की स्थिति में वे हिन्दी अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं।

(कार्रवाई :सभी अनुभाग/ प्रभाग के प्रभारी)

8. यह निर्णय लिया गया कि हिंदी में कार्य को सरल करने हेतु और सभी वर्ग के कार्मिकों को राजभाषा के आधारभूत बिन्दुओं जैसे धारा 3(3) के दस्तावेज़ संबंधी नियमों कि जानकारी, हिन्दी में पत्राचार के विभिन्न आयाम, हिन्दी में टिप्पण, बैठक एवं प्रशिक्षण में हिन्दी का उपयोग जैसे विभिन्न विषयों की पूर्णतया जानकारी प्रदान करने के लिए नियमित अंतराल पर प्रत्येक माह में एक हिन्दी कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिससे की रिपोर्ट सही से भरी जा सके और वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

(कार्रवाई : हिन्दी अनुभाग)

II. अस्थाई मदें

1. एनबीपीजीआर में हिन्दी अनुवादक के रिक्त पद को को अंतर- संस्थान स्थानांतरण के आधार पर भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे जिसमें कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। परिषद मुख्यालय के निर्देशानुसार आईएआरआई, पूसा द्वारा आईसीएआर संस्थानों के समस्त टी-3/ हिन्दी अनुवादक के पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है। परिणाम आने के बाद एनबीपीजीआर के टी-3 हिन्दी अनुवादक का पद भरा जाएगा। अतः परिणाम की अद्यतन स्थिति को प्राप्त किए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए।

(कार्रवाई :प्रशासन प्रभाग)

2. राजभाषा विभाग के निर्देशों के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि संस्थान में सभी तरह के विज्ञापन/प्रचार आदि पर किए गए कुल व्यय का किसी भी स्थिति में कम से कम 50 प्रतिशत धन हिंदी विज्ञापनों पर तथा शेष 50 प्रतिशत क्षेत्रीय भाषाओं तथा अंग्रेजी पर किया जाएगा।

(कार्रवाई :प्रशासन प्रभाग)

3. अध्यक्ष महोदय के माध्यम से एनबीपीजीआर मुख्यालय और इसके अधीनस्थ क्षेत्रीय केन्द्रों को राजभाषा संबंधी रिपोर्ट हेतु आधुनिक प्रौद्योगिकी से जोड़ने के लिए एक ऑनलाइन सूचना प्रबंधन सुविधा तैयार करने के संबंध में निर्णय लिया गया।

(कार्रवाई: प्रभारी, एकेएमयू एकक)

4. राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार संस्थान की वैबसाइट में उसे द्विभाषीकृत करने का विकल्प एवं उसका समय-समय पर हिन्दी में अद्यतन होना अपेक्षित है जिससे वैबसाइट पूर्णतया द्विभाषीकृत रूप में उपलब्ध रहे। इस संबंध अध्यक्ष महोदय द्वारा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

(कार्रवाई : प्रभारी, एकेएमयू एकक)

5. अध्यक्ष महोदय ने संस्थान की विभागीय शब्दावली के प्रकाशन के लिए जो लगभग अंतिम रूप में है को फिलहाल ई-शब्दावली के रूप में जारी करने के लिए सहमति प्रदान की और साथ ही वित्तीय उपलब्धता के आधार पर इसकी आवश्यक प्रतियाँ प्रकाशित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त

एनबीपीजीआर की राजभाषा पत्रिका 'आनुवंशिकी प्रवाह' के प्रकाशन को समयबद्ध रूप में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

(कार्रवाई : हिन्दी अनुभाग)

6. निदेशक, एनबीपीजीआर महोदय की अध्यक्षता में आईसीएआर के कृषि अनुसंधान संस्थानों में राजभाषा के कार्यान्वयन की सहजता विषय पर अखिल भारतीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उक्त कार्यशाला/सम्मेलन के आयोजन के लिए वित्तीय उपलब्धता आईसीएआर मुख्यालय के एचआरएम प्रभाग द्वारा प्रदान किया जाएगा।

(कार्रवाई : हिन्दी अनुभाग)

बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय ने संस्थान का विगत वर्षों में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा किए गए निरीक्षण के संबंध में पूछते हुए कहा कि हम सभी को हमेशा ऐसे निरीक्षण के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होने सभी कार्मिकों को उनके ज्ञान के आधार पर 100 प्रतिशत कार्य हिन्दी में करने के लिए व्यक्तिशः आदेश जारी करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा।

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

.....